दैनिक नवज्योति jodhpur city - 08 Mar 2025 - Page 5

डॉ. सोहनदान चारण को साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार घोषित

नवज्योति/जोधपुर ।

राजस्थानी भाषा - साहित्य के मूर्धन्य विद्वान एवं लोक साहित्य मर्मज्ञ प्रोफेसर (डॉ.) सोहनदान चारण को उनकी राजस्थानी अनुवाद कृति ' भीलां रौ भारथ ' पर साहित्य अकादेमी राजस्थानी अनुवाद अवार्ड 2024 घोषित हुआ है ।

साहित्य अकादेमी सचिव के.श्रीनिवास राव ने बताया कि प्रोफेसर (डॉ) सोहनदान चारण ने गुजराती भाषा के प्रतिष्ठित लेखक भगवानदास पटेल रचित आदिवासी महाकाव्य ' भीलों नुं भारथ ' का राजस्थानी भाषा में ' भीलां रौ भारथ ' नाम से किये गए अनुवाद कृति को तीन सदस्यों के निर्णायक मंडल ने इस पुस्तक का सर्वसम्मति से चयन किया है । इस अनुवाद पुरस्कार के अंतर्गत डॉ.सोहनदान चारण को ताम्रफलक, पच्चास हजार रुपए, शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर साहित्य अकादेमी के विशेष समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा ।

भीलां रौ भारथ :

असल में भीलां रौ भारथ मूलरूप से गुजराती भाषा में रचित आदिवासी महाकाव्य का राजस्थानी अनुवाद है जिसमें बताया गया है कि भील समाज में महाभारत की कथाओं को ऋतुचक्र के आधार पर वर्षभर गाने और सुनने अद्भुत परम्परा है ।

जैसे- भादवा में भजन, आसोज अरेला, काती में वही, पोस में काबरिया कोळी, फागण एवंर चैत्र में सव अभियानो गीतोह्व आदि नाम से जाने जाते है । इस पुस्तक में गुजरात एवं राजस्थान के सीमा पर अरावली की गोद में निवास करने वाले भील समाज की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, व्यापारिक, राजनैतिक एवं साहित्यिक परम्पराओं को शोधपरक दृष्टि से उजागर किया गया है । निसंदेह इसमें भील समाज की अंतर-आत्मा प्रकाश नजर आता है ।